Haryana 3 sept.qxd 09/02/2026 9:17 PM Page 5

पंजाब की मंडियां

खन्ना : जीएसटी अतिरिक्त (प्रति क्विं.): राइसब्रान (खाद्य)(प्रति प्वाइंट)220, राइसब्रान (अखाद्य) 118, खल सरसों 3250, डीओसी: राइसब्रान बैच सफेद 2000, लाल ×, कंटीन्यूअस 2000, सरसों (टन) 25500, सूरजमुखी (टन) 29500, अनाज: गेहूं 2870/2880, आटा (50 किलो)1620/1625, मैदा 1720/1725, चोकर (45 किग्रा) 1150, चोकर (30 किग्रा) 720, सूजी (50 किलो) 1745/1750, मक्की बिहार 2700/2750

लुधियाना : दाल-दलहन : राजमां चित्रा 10800/12500, अरहर दाल 10200/11800, उड़द साबुत 10000/12000, उड़द धोया 11000/12500, छिलका 10600/12000, दाल मसूर 7200/10500, चनादाल 7400/8000, एग्रो प्योर बेसन (35 किग्रा.)3175, काबली चना 7200/11900, मूंग साबुत 8700/9800, मूंग धोया 9300/11400, चावल : डीबी सेला 9600/9700, शरबती स्टीम 7600/7800,चावल 1121 सेला 10000/10200, तेल: बिनौला 15200, चावल तेल 13300, सरसों 16800/16850, खल: सरसों 3550/3650, बिनौला 4200/4300, डीओसी: मूंगफली 38000, किराना : जीरा 23000/26600, धनिया 16800/19700, हल्दी 19100/23200, केसर प्रति ग्राम कश्मीरी 275/280

अमृतसर : चावल : बासमती (1121 नं.) स्टीम 11000/11300, सेला 9800/10200, शरबती सेला 6800/7000, शरबती स्टीम 7700/7800,चावल (1509) सेला 8600/8800, धान: शरबती 3500/3600, बासमती 1121 धान 5600/5700, धान (1509)नया 3800/4000, पीआर-11 चावल 6100/6200, देशी चना 7400/7500, चनादाल 7750/8000, गुड़ (क्विं): लड्डू मंगलौर ×, देशी पंजाब 5900/6000, शक्कर देशी 6000/6100, बूरा खांड 5900/5950

फाजिल्का : (जीएसटी अतिरिक्त): धान (1509) 4600/4700, धान मोटा 2350/2450, चावल कच्चा (आईआर-8) 4000/4050, चावल सेला (आईआर-8) 4050/4100, चावल कच्चा (पीआर-11) 5500/5600, सेला (पीआर-11) 5300/5400, धान (1121)5400/5475, सेला (1121) चावल 10100/10300, गेहूं 2800/2825, सरसों 7600/7675 रुई (प्रति मन): (जे-34) 7000/7050, कपास देशी 7500/7550 कपास नरमा (क्विं.) 8400/8500, बिनौला (टैक्सपेड): खल 4150/4200, जे-34 (चिलकी) 4600/4700

संगरूर : गेहूं 2870/2880 आटा (50 किलो) 1630/1640, मैदा (50 किलो) 1740/1750, सूजी (50 किलो) 1800/1825, चावल 1121 सेला 9900/10200, स्टीम 10900/11300, शरबती चावल सेला 6700/6900, स्टीम 7700/7800, चावल परमल कच्चा 4200/4300, सेला 4050/4200, देशी चना छना 7450/7650, दाल चना 7650/7750, उड़द छिलका 10100/12300, राजमां चित्रा देशी 9000/11200, काबली चना 7600/12000, किराना: जीरा 23900/27000, धनिया 16800/19500, लालमिर्च गुंटूर 341 नं. 18500/21500, तेजा 27000/29500, हल्दी इरोड़ गट्ठा 18800/18900, निजामाबाद फली 21800/22300, मेवा (किलो): काजू: (320 नं.) 1060/1070, (210 नं.) 1150/1160, (240 नं.) 1120/1130, (180 नं.) 1190/1200, दो टुकड़ा 910/920, चार टुकड़ा 850/860, आठ टुकड़ा 810/820, गोला 39000/46000

जालन्धर : गेहूं दड़ा 2900/2920, चावल परमल कच्चा 4100/4200, सेला 4000/4200, मक्की बिहार 2750/2760, यूपी 2650/2660 दाल उड़द छिलका 10000/11800, चना देशी छना 7450/7500, दाल चना 7600/7800, काबली चना 8000/12000, राजमां चित्रा पुणे 8600/10500,चीन 11500/12000, शर्मिली 7500/7700, किराना: जीरा 24800/27800, धनिया 17200/21000, लालमिर्च गुन्टूर-(334 नं.) 17500/18500, तेजा 26000/29800, हल्दी इरोड गट्ठा 18600/18700, निजामाबाद 21400/24600, मेवा (किलो): काजू: (320 नं.) 1000/1020, (210 नं.)1060/1090, (240 नं.) 1030/1040, (180 नं.) 1150/1160, मखाना 750/1250, गोला 42500/47000

धर्मपाल टांक दनौदा बने संत नामदेव सभा हरियाणा के प्रदेश सचिव

नरवाना, 2 सितम्बर (विकास जेठी) संत नामदेव सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सतबीर वर्मा ने वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता धर्मपाल टांक दनौदा को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए संत नामदेव सभा हरियाणा का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सतबीर वर्मा ने संत नामदेव समाज (टांक-रोहिल्ला) के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध सामाजिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी ने समाज को समानता, सद्भाव और भक्ति का अमर मार्ग दिखाया है। टांक-रोहिल्ला समाज ने सदैव मेहनत, ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य भूमिका निभाई है, लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज को संगठित, जागरूक और शैक्षिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। सतबीर वर्मा ने कहा कि धर्मपाल टांक जैसे अनुभवी, समर्पित और जुझारू व्यक्तित्व को प्रदेश सचिव की कमान सौंपने का मुख्य उद्देश्य यही है कि संगठन की जड़ें ग्रामीण स्तर तक मजबूत हों और पूरे हरियाणा में टांक-रोहिल्ला समाज के हकों व कल्याण के लिए ठोस कार्य किए जा सकें। धर्मपाल टांक का सामाजिक और प्रशासनिक अनुभव अत्यंत समृद्ध रहा है। वे पूर्व में संत नामदेव सभा हिसार में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कई वर्षों तक उत्कृष्ट सेवाएं दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त मलेरिया विभाग में लगभग 20 वर्षों तक निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए उन्होंने जन-स्वास्थ्य और जनसेवा के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई। ग्रामीण स्तर पर भी उनकी मजबूत सामाजिक साख रही है, जिसके चलते गांव दनौदा के बैकवर्ड समाज द्वारा उन्हें सर्वसम्मति से निर्विरोध ग्राम पंचायत सदस्य चुना गया था। वे लंबे समय से नामदेव समाज के उत्थान और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सक्रिय रहे हैं। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने धर्मपाल टांक को प्रदेश सचिव बनने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि वे सदैव समाज हित के कार्यों में अग्रणी पंक्ति में खड़े रहते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि धर्मपाल टांक समाज को एकजुट करने और संत नामदेव के उच्च विचारों को जन-जन तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति की सूचना मिलते ही बधाई देने वालों का तांता लग गया, जिसमें खास प्रधान रघबीर नैन, मार्केटिंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन सतप्रकाश सैनी, धूप सिंह सरोया, ज्ञानीराम सरोया, प्रीतम सिंह अग्रोहिया, हंसराज समैण, प्राचार्य डॉ भूप सिंह, सतपाल सैन, डॉ. अमित सैन, डॉ. प्रदीप नैन, करण सिंह पंवार, एसएचओ रोशनलाल, डीएसपी दलीपसिंह, डॉ. लोकेश, डॉ. अंकित, सरोवर खान, चांदबहादुर, सुरेश नैन, प्रदीप जागलाण, मेहर सिंह नैन, मुख्तयार सिंह धमतान, राजेश टांक, संजय टांक सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग शामिल रहे। अपनी नियुक्ति पर धर्मपाल टांक ने प्रदेश अध्यक्ष सतबीर वर्मा, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा और समस्त समाज का आभार प्रकट करते हुए निष्ठा और लगन से समाज सेवा करने का संकल्प दोहराया।

नरवाना : नवनियुक्त सचिव धर्मपाल टांक दनौदा का स्वागत करते मार्केट कमेटी नरवाना के वाइस चेयरमैन सतप्रकाश सैनी। (छाया : जेठी)

कूड़े के ढेर में सुलगती आग, नरवाना की सफाई व्यवस्था भी धुएं में

नरवाना, 2 सितम्बर (विकास जेठी) नरवाना में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर अब शहरवासियों के लिए परेशानी के साथ-साथ गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। नरवाना की ये हालत सिर्फ कूड़े के ढेर की तस्वीरें नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की तस्वीर हैं, जिसके भरोसे शहर को साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी है। एक तरफ सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हैं, तो दूसरी तरफ इन्हीं कचरे के ढेरों में आग लगती दिखाई दे रही है। कूड़े में लगी आग से उठता धुआं आसपास के वातावरण को प्रदूषित कर रहा है और लोगों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बढ़ा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं, तो शहर की सफाई व्यवस्था को संभालने के लिए प्रशासन की वैकल्पिक व्यवस्था आखिर कहां है और सवाल इससे भी बड़ा है कि शहर में शहीदों की प्रतिमाओं के आसपास तक अगर कूड़े के ढेर जमा हो जाएं, तो क्या यह उन शहीदों के सम्मान के साथ न्याय नहीं है, क्या प्रशासन को इन हालात की जानकारी नहीं है, क्या कूड़ा उठाने और उसके निस्तारण के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनाई गई और अगर कूड़े में आग लग रही है, तो इसे रोकने और जिम्मेदारी तय करने के लिए कार्रवाई जल्द करनी चाहिए, क्योंकि कूड़ा सिर्फ बदसूरती नहीं है, कूड़े के ढेर में सुलगती आग, धुएं में घुलता प्रदूषण और उसके बीच खड़े लोग, ये सवाल है शहर की सफाई व्यवस्था पर। अब देखना होगा कि सरकार और प्रशासन इन तस्वीरों को सिर्फ तस्वीर समझते हैं या फिर इन्हें चेतावनी मानकर कोई ठोस कदम भी उठाते हैं।

नरवाना : कूड़े के ढेर में सुलगती आग (छाया : जेठी)

रूपेश बाली साइकिल यात्रा के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति कर रहे जागरूक

नरवाना, 2 सितम्बर (विकास जेठी): आज अंबाला निवासी रूपेश बाली अपनी साइकल यात्रा के दौरान पहुंचे। उन्होंने बताया कि आज मुझे 2214 दिन हो गए साइकिल चलाते हुए प्रतिदिन 100 किलोमीटर की साइकिल यात्रा की जा रही है जिसके जरिए आज 194781 किलोमीटर साइकिल चला चुके हैं इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य लोगों को सेहत के प्रति जागरूक करना है। साइकिल चलाओ हेलमेट लगाओ पर्यावरण बचाओ वजन घटाओ यही उद्देश्य लेकर रूपेश बाली ने अपनी साइकिल यात्रा शुरू की जिसका नरवाना में आगमन हुआ यह यात्रा आज नरवाना से चलकर जीरकपुर तक चलेगी रूपेश बाली ने बताया कि वह 17 साल भारतीय वायुसेना में अपनी सर्विस दे चुके हैं और 20 साल पहले अपनी इच्छा से रिटायरमेंट लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए साइकिल को थाम लिया जब उनसे पूछा गया कि यह साइकिल यात्रा कब तक चलेगी तो उन्होंने कहा कि प्रभु इच्छा तक। रूपेश बाली ने बताया कि जब उनकी ड्यूटी सियाचिन ग्लेशियर में थी तब भी उन्होंने आज तक चाय कॉफी का टेस्ट भी अपनी जीभ पर नहीं लगने दिया क्योंकि वह सदैव काजू बादाम और चॉकलेट खाकर ही अपने आप को गर्म रखते हैं। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति की उम्र दिमाग से होती है शरीर से नहीं अपने आप को तरोताजा रखने के लिए प्रतिदिन योगा करें और पॉजिटिव सोच अपनाएं।

नरवाना : अपनी साइकिल यात्रा के दौरान नरवाना पहुंचे अंबाला निवासी रूपेश बाली (छाया : जेठी)

संगम स्कूल भरोखां में मनाया जन्माष्टमी पर्व

सिरसा, 2 सितम्बर (रघुवीर शर्मा): संगम स्कूल भरोखां के विद्यालय परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व श्रद्धा, उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय का वातावरण पूरी तरह कृष्णमय नजर आया। विद्यालय के सैकड़ों नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सज-धजकर विद्यालय पहुंचे। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा, सुंदर मुकुट, बांसुरी और राधा के पारंपरिक श्रृंगार ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान राधा-कृष्ण के स्वरूप में विद्यालय पहुंचे बच्चों को श्रद्धापूर्वक माखन-मिश्री का भोग लगाया गया। इसके बाद बच्चों के लिए केक काटकर प्रसाद वितरित किया गया। नन्हे बच्चों ने पूरे उत्साह और खुशी के साथ जन्माष्टमी का आनंद लिया। उनके चेहरे पर दिखाई दे रही प्रसन्नता और उत्साह ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। विद्यालय के मुख्याध्यापक छगन सेठी ने बच्चों के लिए अपनी ओर से विशेष रूप से केक और फ्रूटी की व्यवस्था की। उन्होंने स्वयं बच्चों को केक खिलाकर तथा फ्रूटी पिलाकर उनके साथ जन्माष्टमी की खुशियां साझा कीं। मुख्याध्यापक के इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कहा कि त्यौहार केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं होते, बल्कि इनके माध्यम से बच्चों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का अवसर भी मिलता है। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय परिसर में दिनभर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से जुड़े मधुर गीतों की गूंज सुनाई देती रही। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों की राधा-कृष्ण की वेशभूषा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। छोटे-छोटे कृष्ण जब हाथ में बांसुरी और सिर पर मोरपंखी मुकुट सजाकर विद्यालय पहुंचे तो पूरा वातावरण मानो वृंदावन की झलक प्रस्तुत करने लगा। वहीं राधा के रूप में सजी नन्ही बच्चियों ने अपनी मनमोहक वेशभूषा से सभी का मन जीत लिया। मुख्याध्यापक छगन सेठी ने कहा कि संगम स्कूल में शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कारों और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ऐसे आयोजन बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान और गौरव की भावना पैदा करते हैं तथा उन्हें हमारी समृद्ध परंपराओं से परिचित करवाते हैं। जन्माष्टमी समारोह ने विद्यार्थियों में न केवल उत्साह और खुशी का संचार किया, बल्कि उन्हें प्रेम, भक्ति, सद्भाव, संस्कार और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं तथा भगवान श्रीकृष्ण से सभी के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

जन्माष्टमी मनाते बच्चे।

सरकारी आदेश की प्रतियां फूंककर कर्मचारियों ने किया रोष प्रदर्शन, जमकर की नारेबाजी

नरवाना, 2 सितम्बर (विकास जेठी) अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे नगर परिषद नरवाना के दमकल एवं सफाई कर्मचारियों ने बुधवार को सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने नगर परिषद कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर सरकार की ओर से जारी आदेश की प्रतियां फूंकीं और जमकर नारेबाजी करते हुए अपना रोष जताया। दरअसल, हरियाणा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विभाग की ओर से 1 सितंबर को आदेश जारी कर हड़ताल पर चल रहे अग्निशामक एवं दमकल चालकों को 2 सितंबर 2026 सुबह 9 बजे तक ड्यूटी पर लौटने का अंतिम अवसर दिया गया है। आदेश में निर्धारित समय तक ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने वाले कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। विभाग के इस आदेश के विरोध में नरवाना में हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों ने नगर परिषद के बाहर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं और सरकार को कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के बजाय इस तरह के आदेश जारी करने की बजाय बातचीत के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। दमकल एवं सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर नरवाना की सफाई व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण शहर के कई इलाकों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और गंदगी के कारण दुर्गंध व बीमारी फैलने की आशंका भी बनी हुई है।

नरवाना : कर्मचारी नगर परिषद् कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर सरकार की ओर से जारी आदेश की प्रतियां फूंकते हुए (छाया : जेठी)

समाजसेवी नगर पार्षद सुभाष चंद्र ने पोते मयंक के दूसरे जन्मदिन पर किया पौधारोपण

ऐलनाबाद, 2 सितम्बर (नरेश सरदाना): स्थानीय तलवाड़ा रोड स्थित श्री बाबा रामदेव मंदिर के प्रांगण में समाजसेवी एवं नगर पार्षद सुभाष चंद्र ने अपने पोते मयंक कक्कड़ के दूसरे जन्मदिन के शुभ अवसर पर एक अनुकरणीय पहल की। इस विशेष दिन को यादगार बनाने के लिए उन्होंने सामाजिक संस्था 'टीम मिशन ग्रीन' तथा 'श्री रामाधनी मंदिर कमेटी ट्रस्ट' के सदस्यों के सहयोग से मंदिर परिसर में पौधारोपण किया। नगर पार्षद सुभाष चंद्र ने बताया कि परिजनों की खुशी के पलों को केवल औपचारिक समारोहों तक सीमित न रखकर पर्यावरण संरक्षण जैसे नेक कार्य से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने कहा, पौधरोपण न केवल हमारे पर्यावरण को शुद्ध एवं हरा-भरा रहता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ जीवन का मार्ग भी प्रशस्त करता है। इस अवसर पर टीम मिशन ग्रीन और श्री रामाधनी मंदिर कमेटी ट्रस्ट के पदाधिकारियों व सदस्यों ने मयंक कक्कड़ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ या अन्य पारिवारिक अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल का संकल्प लें। इस दौरान संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने इस सामाजिक पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

पौधारोपण करते हुए।

अवैध हथियारों सहित दो युवक गिरफ्तार

सिरसा, 2 सितम्बर (भुपिंद्र पन्नीवालिया/रघुवीर शर्मा): पुलिस ने गश्त के दौरान प्रेम नगर क्षेत्र से दो युवकों को एक अवैध पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस व एक लोहे का तेजधार कापे सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त पर सीडीएलयू सिरसा के पास मौजूद थी। पुलिस टीम को प्रेम नगर की तरफ से दो युवक आते दिखाई दिए। जैसे ही दोनों युवकों की नजर पुलिस टीम पर पड़ी तो वे घबरा गए और वापस मुड़कर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों को मौके पर ही काबू कर लिया। नियमानुसार तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस तथा एक लोहे का तेजधार कापा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान हरजीत सिंह उर्फ बब्बू पुत्र देशराज तथा गुरलाल सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव संघा जिला मानसा पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सिविल लाइन सिरसा में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज करवाया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी अवैध हथियार कहां से लेकर आए थे और इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था?

अवैध पिस्तौल सहित पकड़े गए आरोपी।

सिरसा के विभिन्न गांवों में एनएसओ करेगा सर्वेक्षण

सिरसा, 2 सितम्बर (भुपिंद्र पन्नीवालिया/रघुवीर शर्मा): सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) का क्षेत्र संकार्य प्रभाग (एफओडी) वर्ष 1950 से परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से विभिन्न प्रकार की सांख्यिकीय सूचनाएं एकत्र करने का कार्य कर रहा है। इन सूचनाओं का उपयोग राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर योजना निर्माण तथा नीतियों के निर्धारण में किया जाता है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि एनएसओ द्वारा वर्तमान में विभिन्न घरेलू एवं व्यवसायिक सर्वेक्षण किए जा रहे हैं। इनमें आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, प्रवासन सर्वेक्षण, ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण, स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, अनइनकॉरपोरेटेड सर्विस एंटरप्राइजेज का वार्षिक सर्वेक्षण, थोक मूल्य सूचकांक तथा इनकॉरपोरेटेड सर्विस सेक्टर एंटरप्राइजेज का वार्षिक सर्वेक्षण आदि शामिल हैं। इन सर्वेक्षणों के लिए एनएसओ के अधिकारी चयनित परिवारों एवं प्रतिष्ठानों से संपर्क करते हैं। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान एकत्र की जाने वाली सभी सूचनाएं पूर्णत: गोपनीय रखी जाती हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले परिवारों एवं प्रतिष्ठानों की पहचान किसी रिपोर्ट अथवा प्रकाशित आंकड़ों में उजागर नहीं की जाती। एकत्रित आंकड़ों का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों तथा योजना एवं नीति निर्माण के लिए किया जाता है। प्रवासन संबंधी विवरण सर्वेक्षण के लिए वैदवाला व झोरड़नाली, आ.श्र.ब.सर्वेक्षण के लिए कुसंबी, मंगाला व सिरसा, एएसयूएसई के लिए मौजूखेड़ा व सिरसा, राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण के लिए माखोसरानी, बाहिया व मंगाला तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के लिए वैदवाला, गंगा व मंडी डबवाली में सर्वेक्षण किया जाएगा। प्रवक्ता ने सभी नागरिकों एवं उद्यमों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण अधिकारियों को पूरा सहयोग प्रदान करें तथा सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए अपना बहुमूल्य समय दें। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से प्राप्त विश्वसनीय आंकड़े बेहतर योजना निर्माण और विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

देवीलाल जयंती को लेकर इनेलो ने झोंकी ताकत

सिरसा, 2 सितम्बर (भुपिंद्र पन्नीवालिया/रघुवीर शर्मा): जननायक चौधरी देवीलाल जयंती के अवसर पर 27 सितम्बर को नूंह में होने वाली सम्मान दिवस रैली को लेकर इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा के नेतृत्व में पार्टी के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोंकी हुई है। इसी कड़ी में इनेलो जिलाध्यक्ष जसबीर जस्सा व उनकी पूरी गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को इस जयंती कार्यक्रम को लेकर निमंत्रण दे रही है। इस कड़ी में बैठकों और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से भी लोगों को जयंती कार्यक्रम का निमंत्रण दिया जा रहा है। पार्टी का दावा है कि सिरसा से इस बार ऐसा जनसैलाब नूंह पहुंचेगा, जिसकी गूंज पूरे हरियाणा में सुनाई देगी। जसवीर सिंह जस्सा कहते हैं कि सिरसा जिले में पिछले कुछ समय के दौरान पार्टी ने अपने संगठन को नए सिरे से मजबूत किया है। पार्टी की ओर से 20 से अधिक प्रकोष्ठों का गठन कर इन प्रकोष्ठों में जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारियों को गांव और बूथ स्तर तक सक्रिय किया जा रहा है। यही कारण है कि लंबे समय बाद सिरसा जिले में इनेलो की राजनीतिक गतिविधियां लगातार बढ़ती दिखाई दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि सिरसा और चौधरी देवीलाल का रिश्ता केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। इस क्षेत्र की राजनीतिक चेतना में चौधरी देवीलाल की किसान, मजदूर और ग्रामीण हितों की राजनीति की गहरी छाप रही है। इसलिए चौधरी देवीलाल जयंती को लेकर न केवल पार्टी बल्कि जिलावासियों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है। पार्टी जिलाध्यक्ष जसबीर जस्सा ने कार्यकर्ताओं के साथ-साथ तमाम जिलावासियों को भी इस जयंती कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है।

जेल लोक अदालत में एक बंदी रिहा

सिरसा, 2 सितम्बर (भुपिंद्र पन्नीवालिया/रघुवीर शर्मा): जिला जेल में बुधवार को लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि जेल लोक अदालत में कुल दो मामले रखे गए जिनमें से एक मामले का निपटारा करते हुए बंदी को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि जेल लोक अदालत का आयोजन प्रत्येक माह दो बार किया जाता है, जो माह के प्रथम एवं तृतीय बुधवार को आयोजित होती है। इस लोक अदालत का उद्देश्य छोटे मामलों में लंबे समय से जेल में बंद बंदियों को शीघ्र न्याय प्रदान करना है।

सावन सूखा, फसलों पर सूखे का संकट

16 हज़ार हेक्टेयर में बिरानी ग्वार व बाजरे की फसल नष्ट

सिरसा, 2 सितम्बर (भुपिंद्र पन्नीवालिया/ रघुवीर शर्मा): सिरसा जिला के चौपटा क्षेत्र में मानसून की अच्छी बरसात नहीं हुई है। इसी के साथ किसानों को सिंचाई पानी नहीं मिल रहा है। सिंचाई विभाग द्वारा नहरी पानी में कटौती करने से 60 हजार हेक्टेयर में खड़ी सावनी की फसल पर सूखे का संकट गहराता जा रहा है। क्षेत्र में सावन के महीने में कम बारिश व आधा भादो मास सूखा बीत जाने के बाद 16000 हेक्टेयर में बिरानी ग्वार व बाजरे की फसल सूख कर नष्ट हो चुकी है। उधर कपास व नरमें की फसल को सूखे से बचाने के लिए किसानों को नलकूपों द्वारा सिंचाई के लिए काफी जदोजहद करनी पड़ ही है। भूमिगत जल खारा होने के कारण जमीन भी खराब हो रही है। नहरी पानी प्र्याप्त मात्रा में मिल जाये तो कपास व नरमें को तो बचाया जा सकता है। क्षेत्र का किसान सिर पकड़कर बैठा है और सरकार व प्रकृति से राहत की आस में दिन काट रहें हैं। नाथूसरी चौपटा क्षेत्र खंड में इस बार किसानों ने 25200 हेक्टेयर में नरमें व कपास, 13700 हेक्टेयर में धान, 16000 हेक्टेयर में गवार व 1990 हेक्टेयर में बाजरे की बिजाई की है। जो कि नहरी पानी के अभाव में बर्बादी के कगार पर है। किसानों का कहना है कि अगर नहरी पानी में इसी तरह से कटौती जारी रही तो कृषि आय दोगुनी तो क्या खेती करना ही मुश्किल हो जाएगा। पैंतालिसा क्षेत्र के गांव दड़बा कलां, मानक दीवान, लुदेसर, रूपाना खुर्द, गिगोरानी, रामपुरा ढ़िल्लों, कुम्हारिया, कागदाना, खेड़ी, जसानिया, हजीरा, नाथूसरी, शाहपूरिया, चाहरवाला, शक्करमन्दोरी, रूपावास, रामपुरा नवाबाद, सहित दर्जनों गांवों में नहरी पानी की कमी व बारिश के अभाव में अकाल व सूखे कि चपेट में हैं। किसानों को बरसात का इंतजार है। नहरी पानी की कमी के कारण क्षेत्र की अधिकतर जमीन बिरानी है। आषाढ़ मास में हुई हल्की बारिश होने पर किसानों ने बिरानी ग्वार व बाजरे की बिजाई तो यह सोचकर कर दी कि आगे सावन भादो में मानसून कि बारिश होने पर फसल अच्छी हो जाएगी। लेकिन अब बारिश का समय निकलता जा रहा है। पानी की कमी के कारण ग्वार व बाजरे की फसल पूरी तरह सूख चूकी है। सरकार ने नहरी पानी में कटौती कर दी है। किसान विक्रम सिंह व श्रवण कुमार का कहना है कि पहले नहरों में पानी दो सप्ताह में चलने के बाद दो सप्ताह के लिए बंद होता था लेकिन अब एक सप्ताह चलने के बाद दो सप्ताह के लिए बंद होने लगा। जिससे सिंचाई नहीं हो पा रही है। अगर जल्दी बारिश नहीं हुई तो सावनी की फसल पूरी तरह से चौपट हो जाएगी। ऐसे में कर्ज का बोझ कम होने की बजाए बढ़ जाएगा। किसान सुल्तान सिंह,महेन्द्र सिंह,माँगे राम का कहना है कि यह क्षेत्र नहरों के अन्तिम छोर पर पडने के कारण यहां अक्सर नहरी पानी कि कमी रहती है। इस बार तो सरकार व सिंचाई विभाग ने पानी सप्लाई में कटोती करके कोढ़ में खाज का काम किया है। इनका कहना है कि सिचाई के लिए बरसात व टयूबवैलो पर निर्भर रहना पड़ता है। अब कपास व नरमें की फसल को तो मँहगे दामों पर डीजल खरीदकर टयूबवैलो से सिंचाई करके जैसे तैसे बचाया जा रहा है। लेकिन बारिश न होने के कारण बिरानी ग्वार व बाजरे की फसल को बचा पाना काफी मुश्किल है। नहरों में पानी प्र्याप्त मात्रा में मिल जाए तो कम से कम कपास व नरमें को तो बचाया जा सकता है। किसान राज कुमार,जगदीश व सुभाष चन्द्र का कहना है कि बिरानी ग्वार में खर्चा कम पड़ता है तथा उत्पादन अच्छा होने पर बचत ज्यादा हो जाती है। इसलिए इस बार ग्वार की बिजाई ज्यादा कि लेकिन इस बार मानसून की बेरूखी ने तो उनके सपनों पर ही पानी फेर दिया। इनका कहना है कि कपास व नरमें की फसल पर तो बीज, रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं का खर्चा भी ज्यादा हो जाता है। उपर से सिंचाई का खर्च उठाना पड़े तो यह फसल पूरी तरह से घाटे का सौदा साबित होती है। कृषि विकास अधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि चोपटा खंड में किसानों ने इस बार किसानों ने 25200 हेक्टेयर में नरमें व कपास, 13700 हेक्टेयर में धान, 16000 हेक्टेयर में गवार व 1990 हेक्टेयर में बाजरे की बिजाई की है। कपास व नरमे की फसल तो ठीक ठाक है लेकिन बिरानी ग्वार व बाजरे की फसल में बारिश की जरूरत है। अगर जल्दी बारिश नहीं हुई तो फसलो का उत्पादन कम हो सकता है।

पानी के अभाव में खराब हुई ग्वार व कपास की फसल।

वर्गीकृत विज्ञापन

नाम परिवर्तन

मैं संजीव कुमार पुत्र फूल सिंह, निवासी गांव बाबैन, जिला कुरूक्षेत्र ने अपने नाबालिग पुत्र का नाम भूमित से बदलकर भूमित सैनी रख लिया है। भविष्य में मेरे नाबालिग पुत्र को भूमित सैनी के नाम से जाना जाये।___(W/38)

मैं, चौहान सुनीता गोपाल सिंह पुत्री गोपाल सिंह, निवासी भुरटवाला, ज़िला सिरसा (हरियाणा) ने अपना नाम चौहान सुनीता गोपाल सिंह से बदलकर सुनीता अखिल सेन रख लिया है। भविष्य में मुझे सुनीता अखिल सेन के नाम से जाना व पहचाना जाए।___(W/41)

I, Monu S/o Bhim Bahadur R/o V.P.O. Sohana, Distt. Mohali, Punjab have changed my name to Manu Kumar.___(W/18)

बेदखली सूचना

मैं, शिव कुमार पुत्र दरबारा सिंह, जाति राजपूत, मकान नंबर 163, बसंती माता, निवासी वार्ड नं. 7 कलायत, तहसील कलायत, ज़िला कैथल बयान करता हूं कि श्रीमती श्वेता पत्नी श्री गौरव, जो कि मेरी पुत्रवधू है। श्वेता मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं अपनी पुत्रवधू श्रीमती श्वेता को अपनी तमाम सालम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके साथ कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं ज़िम्मेदार रहेगा।___(W/77)

मैं, श्रीमती संयोगिता पत्नी श्री शिव कुमार, जाति राजपूत, मकान नंबर 163, बसंती माता, निवासी वार्ड नं. 7 कलायत, तहसील कलायत, ज़िला कैथल बयान करती हूं कि श्रीमती श्वेता पत्नी श्री गौरव, जो कि मेरी पुत्रवधू है। श्वेता मेरे कहने-सुनने से बाहर है। मैं अपनी पुत्रवधू श्रीमती श्वेता को अपनी तमाम सालम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इसके साथ कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं ज़िम्मेदार रहेगा।___(W/75)

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

अजीत ग्रुप आफ पब्लिकेशंज़ इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाइड) के तथ्यों की ज़िम्मेदारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

पेगासस एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड

PEGASUS

55-56, पांचवीं मंज़िल फ्री प्रैस हाऊस नरिमन प्वाइंट, मुम्बई-400021 टैली : -022-61884700
ईमेल : sys@pegasus-arc.com यूआरएल : www.pegasus-arc.com

ई-नीलामी द्वारा बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

सिक्योरिटी इंटरैस्ट (इनफोर्समैंट) रूल्ज़, 2002 के रूल 8 व 9 की शर्त के साथ पढ़े जाते सिक्योरटाईजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाईनांशियल एसैट्स एंड इनफोर्समैंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरैस्ट एक्ट, 2002 अधीन अचल जायदाद की बिक्री

एतद द्वारा आम जनता एवं विशेषकर निम्न दर्शाए कर्ज़दार (कर्ज़दारों), सह-कर्ज़दार (सह-कर्ज़दारों) एवं गिरवीकार (गिरवीकारों) को नोटिस दिया जाता है कि निम्न दर्शाए सिक्योर्ड एसैट्स अर्थात् अचल जायदाद सिक्योर्ड क्रैडिटर को गिरवी/चार्ज की गई है, पेगासस एसैट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड **पेगासस 2024 ट्रस्ट 1** के ट्रस्टी के रूप में अपनी कैपिसिटी में कार्य करते हुए ('पेगासस ए आर सी'), को सरफेसी एक्ट 2002 की व्यवस्थाओं अधीन असाईनमैंट एग्रीमैंट दिनांक 30/06/2025 द्वारा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (**''एचडीएफसी बैंक''**) द्वारा अंडरलेईंग सिक्योरिटीज़ इंटरैस्ट सहित निम्न दर्शाए कर्ज़दार के ऋण सौंपे गए हैं, को **'जैसे हैं यहां हैं', 'जैसे हैं जो हैं', एवं 'जो कुछ भी वहां है'** आधार पर सरफेसी एक्ट एवं इसके अधीन नियमों की व्यवस्थाओं अधीन बेचा जा रहा है।

अधिकृत अधिकारी ने सरफेसी एक्ट एवं इस अधीन नियमों की व्यवस्थाओं अधीन 13.07.2026 को निम्न दर्शाए सिक्योर्ड एसैट्स अर्थात् अचल जायदाद का फिजीकल कब्ज़ा ले लिया है :

निलामी के विवरण निम्न अनुसार हैं :-

कर्ज़दार (कर्ज़दारों), सह-कर्ज़दार (सह-कर्ज़दारों) एवं गिरवीकार (गिरवीकारों) का नाम :	1. मैसर्ज जशन इंटरप्राइजिज-मिसिज रीटा डुडेजा (प्रोपराईटर/गारंटर) 2. मि. हीरा सिंह (गारंटर/गिरवीकार) 3. मि. हरी सिंह (गारंटर/गिरवीकार)
बकाया राशि जिस के लिए सिक्योर्ड एसैट्स बिक्री किए जा रहे हैं :	अदायगी एवं वसूली की तिथि तक दिनांक 15.08.2026 से ठेकागत दर पर ब्याज एवं लागतें, चार्जिस एवं इस पर खर्चे जमा 14.08.2026 को रु. 1,40,14,453.28/- (रुपए एक करोड़ चालीस लाख चौदह हज़ार चार सौ तिरपन एवं अट्ठाइस पैसे केवल)
बेची जा रही अचल जायदाद के रूप में सिक्योर्ड एसैट का विवरण	न्यू ग्रेन मार्किट, जीवन नगर, तहसील रानियां, ज़िला सिरसा, हरियाणा में स्थित कमर्शियल शॉप बियरिंग नं. 18, एरिया पैमाइश 20×85 या 188.88 वर्ग गज
आरक्षित कीमत जिसके नीचे सिक्योर्ड एसैट नहीं बेचे जाएंगे (रु. में)	रु 36,00,000/- (रुपये छत्तीस लाख केवल)
धरोहर राशि जमा (ईएमडी) :	रु. 3,60,000/- (रुपये तीन लाख साठ हज़ार केवल)
दावे, यदि कोई है, जोकि जायदाद एवं सिक्योर्ड क्रैडिटर एवं मूल्य को जाने जाते कोई अन्य बकाये के विरुद्ध आगे रखे गए हैं	पता नहीं
सीईआरएसएआई आईडी	सिक्योरिटी आईडी-400097882236 एसैट आईडी-200100261318
जायदाद की जांच	06.10.2026, प्रात: 11.30 बजे से अपराह्न 01.00 बजे तक
सम्पर्क व्यक्ति एवं फोन नं.	मि. रमेश गिरी (अधिकृत अधिकारी) मो.नं. 9643468804, ramesh@pegasus-arc.com मि. दिवाकर गोयल, मोबाइल नं. 8527210544 diwaker@pegasus-arc.com
बोली पेश करने हेतु अंतिम तिथि	12.10.2026 को सायं 05.00 बजे तक
बोली खुलने का समय एवं स्थान	ई-निलामी/बोली वैबसाईट (https://sarfaesi.auctiontiger.net) दिनांक 13.10.2026 को प्रात: 11.00 से अपराह्न 01.00 बजे तक

यह प्रकाशना सिक्योरिटी इंटरैस्ट (इनफोर्समैंट) रूल्ज़, 2002 के रूल 8अधीन कर्ज़दारों/सह-कर्ज़दारों/गिरवीकारों को तीस (30) दिनों का नोटिस भी है।

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों हेतु, कृपया सिक्योर्ड क्रैडिटर की वैबसाईट अर्थात http://www.pegasus-arc.com/assets-to-auction.html या वैबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net का संदर्भ लें या सम्पर्क करें सर्विस प्रोवाईडर मैस. ई-प्रोकियोरमैंट टैक्नोलॉजीस लिमिटेड ऑक्शन टाईगर, बिडर स्पोर्ट : 079-68136805/68136837, मि. रामप्रसाद, मो. +91- 8000023297, ईमेल : ramprasad@auctiontiger.net व support@auctiontiger.net

स्थान : हरियाणा
दिनांक : 03.09.2026

हस्ता/-अधिकृत अधिकारी
पेगासस एसैट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड
पेगासस 2024 ट्रस्ट 1